थार में बाढ़ : आपदा प्रबंधन सेवाओं में सबसे आगे था गायत्री परिवार

गायत्री परिवार के बेस कैम्प से संचालित हुईं सरकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की आपदा प्रबंधन सेवाएँ

राजस्थान के बाड़मेर एवं जैसलमेर जिलों में भारी वर्षा के कारण समुद्र तल से कम ऊँचाई के भूभाग 'कवास' एवं 'मलवा' क्षेत्र के धोरों के बीच २० से २५ फीट तक जल भर गया। आगे निकासी नहीं होने से इस बरसाती पानी ने ८-१०

बेस कैम्प में गायत्री परिवार के प्रतिनिधियों से चर्चा करते अधिकारी

किमी लम्बी एवं डेढ-दो किमी चौड़ी झीलों का रूप ले लिया। ५० से अधिक गाँव-ढाणियाँ डूब गईं, ५०० के लगभग जनहानि के साथ हजारों पशु, भेड़, बकरियाँ काल वलि कवलि हुए, अपार धनहानि भी हुई। दो हजार से अधिक घर उजड़ गये। बाढ़ के समय लोग कुटुम्ब के रूप में ऊँचे टिब्बों पर खुले आकाश में पड़े थे। ऐसी विकट परिस्थिति में गायत्री परिवार बाड़मेर, बालोतरा, भीनमाल, सोजत सिटी आदि ने त्वरित व्यवस्था कर राशन, कपड़े आदि लगभग दो-ढाई लाख रूपये का आवश्यक सामान बाढ़ में फँसे लोगों तक पहुँचाया।

प्रशासन से भी आगे था गायत्री परिवार

राजस्थान के जोनल केन्द्र पुष्कर ने आपदा प्रबंधन कार्यों की कमान संभाली। २९ अगस्त को श्री नरेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में एक टोली आवश्यक कपड़े-राशन आदि लेकर बाड़मेर पहुँच चुकी थी। स्थानीय लोगों के परामर्श एवं सहयोग से पूरे बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का विहंगम सर्वे कर ३१ अगस्त तक उन्होंने कवास से आधा किलोमीटर दूर हाईवे पर ९०X९० फीट का बेसकेम्प स्थापित कर दिया। यह बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में स्थापित सर्व प्रथम एवं एक मात्र बेस केम्प था, जो आगे चलकर समस्त शासकीय एवं स्वयंसेवी संगठनों के सेवाकार्यों का आधार बना।

श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, शांतिकुंज, हरिद्वार के बेस केम्प में वाटर प्रूफ स्टोर, भोजनशाला, पाकशाला, कार्यकर्त्ता आवास, चिकित्सा सेवा, स्वागत कक्ष, उपासना-यज्ञ स्थल आदि बनाये गये थे। दो फोर व्हीलर ट्रेक्स गाड़ियाँ एवं पानी का टेंकर लगाया गया। प्रारंभ में ६५ हजार रूपये की खाद्य सामग्री, बर्तन, कपड़े, कम्बल आदि बाड़मेर शहर से खरीद कर बेस केम्प लाए गए।

गायत्री परिवार भीनमाल ने १५० परिवारों के लिए राशन, बर्तन, कपड़े, जूते, खाट, गद्दे, कम्बल आदि पूर्ण गृहस्थी के सेट लगभग २.५० लाख का सामान बेस केम्प पर जमा कराया। श्री माणक चन्द सरेल, कोठारी एवं पूर्व जिला प्रमुख श्री नारायण सिंह देवल ने इस निमित्त

भीनमाल से रवाना हो रही आपदा प्रबंधन वाहिनी

१.५० लाख रूपये दिए। श्री घनश्याम पालीवाल एवं श्री सीताराम पारीक के नेतृत्व में राजसमंद तथा जोधपुर से सहायता राशि, सामग्री एवं कार्यकर्त्ताओं का एक दल सहयोग हेतु ५.९.०६ को कवास बेस केम्प पहुँचा।

लोकप्रिय हुआ बेस कैम्प

श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट शांतिकुंज, हरिद्वार के बेस केम्प में समय-समय पर राजस्थान के चिकित्सा मंत्री डॉ. दिग्विजय सिंह, कृषि मंत्री श्री सुरेन्द्र सिंह टी.टी., राजस्व मंत्री श्री राम नारायण डूडी, संसदीय सचिव श्री भवानी सिंह राजावत, जिला प्रशासन के अधिकारी, सहायता प्रभारी श्री नागा जी, राजस्थान के पूर्व सचिव श्री एम.एस. मेहता आदि ने बेस केम्प का अवलोकन कर भूरि-भूरि प्रशंसा की। श्री मेहता ने तो अपनी टीम के साथ वहीं भोजन किया। उन्होंने बेस केम्प की भोजन व्यवस्था, सामग्री वितरण व्यवस्था, खासतौर से दास दासोहं की भावना की प्रशंसा विजिटर्स बुक में अंकित की। उन्होंने अपने साथ चल रहे समाजसेवी श्री सरोज खेमका को २५० खाट खरीद कर इस केम्प में भेजने के निर्देश दिए।

गायत्री परिवार द्वारा रूपाणियों की ढाणी, राहिलों की ढाणी, जैसाणों की ढाणी, डऊकियों की ढाणी, मुण्डों की ढाणी, लेगों की ढाणी, खातियों का तला, दर्जियों की ढाणी, बादरा, चोखला, माडपुरा, उरलाई, नगला की होदी, गवारियों की ढाणी, जाटों की ढाणी, कुम्हारों की ढाणी, पिराणियों की ढाणी, चमारों की ढाणी, भोजाणियों की ढाणी आदि बस्तियों के लोग जो सुदूर टिब्बों पर पड़े थे, उन तक जाकर खाद्य सामग्री, कपड़े, बर्तन, खाट, त्रिपाल, दवाइयाँ, आदि वस्तुएँ सर्वे कर वितरित कीं। लगभग ६००-७०० परिवार लाभान्वित हुए।

सेवा कार्य में जोन पुष्कर के कार्यकर्त्ताओं के अलावा डॉ. पीएन माथुर, टीकम राम, शैतान सिंह, अजय सिंह, पांचा राम-जोधपुर, गोविन्द सिंह राठौड़, मोहन लाल व्यास, बद्री लाल शर्मा-राजसमंद, सीताराम पारीक-मकराणा, राणमल, जसराज सुथार, मगराज पूंगालिया, राधेश्याम राठी, भंवरलाल चाण्डक-बालोतरा, मांगीलाल शर्मा, प्रेमचन्द लधड़, मंगला राम, धर्मेन्द्र खत्री-बाड़मेर, वंशीधर गोयल, धोरी मन्ना, पूरणमल शास्त्री-जालोर एवं अन्य कई कार्यकर्त्ता लगे हुए थे।

मन मजबूत किये

गायत्री परिवार केवल आपदा सेवा कार्य ही नहीं कर रहा था, बेस केम्प पर प्रतिदिन यज्ञ की कई पारियों में मांडपुरा के लोग सम्मिलित होते थे। श्री प्रमोद बार्चे की टोली द्वारा गाँव-ढाणियों में आध्यात्मिक गोष्ठियाँ, दीपयज्ञ किये गये। लोगों को विकट परिस्थितियों में मनोबल बनाये रखने की प्रेरणा दी जाती रही।

जोन पुष्कर के आह्वान पर राजस्थान के अजमेर एवं मारवाड़

पीड़ित परिवारों के बीच सामान सहित पहुँचा गायत्री परिवार

क्षेत्र के समस्त गायत्री परिजनों के आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक तथा संवेदनात्मक सहयोग के साथ क्षेत्र की अन्यान्य स्वयंसेवी संस्थाओं, दान-दाताओं एवं राज्य सरकार के सत्प्रयासों से थार के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ, जिसे देखकर पूर्ण आत्मसंतोष के साथ दिनांक १५.९.०६ को गायत्री परिवार के बेस केम्प का समापन किया गया। गायत्री परिवार की सेवा से लाभान्वित आपदाग्रस्त ग्रामीण भाई-बहिनों ने आंचलिक केन्द्र पुष्कर की टोली को भावभीनी अश्रुपूरित विदाई दी। ◎

राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन का स्थाई प्रोजेक्ट

राजस्थान में अकाल और बाढ़ जैसी आपदाओं का सिलसिला चलता ही रहता है। जोनल केन्द्र पुष्कर ने इनसे प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक स्थाई कार्ययोजना तैयार की है। जोन प्रभारी श्री घनश्याम पालीवाल के अनुसार-

⇨इसके अन्तर्गत आपदा प्रबंधन वाहिनी के रूप में एक फोर व्हीलर गाड़ी होगी, जिसमें जेनरेटर, त्रिपाल, टेण्ट, आवश्यक औजार एवं सामग्री, दवाइयाँ आदि रखी जायेंगी।

⇨राजस्थान स्तर पर तकनीकी, चिकित्सक, स्वयंसेवी तथा सभी व्यवस्थाओं में सहयोगी लोगों का आपदा सेवादल गठित किया जायेगा।

⇨आपदा के समय सेवा-सहायता कार्य तथा अन्य दिनों में बेस केम्प आधारित स्वच्छता, सफाई, पर्यावरण, चिकित्सा सेवा संबंधित कार्य इस दल द्वारा किये जायेंगे।

⇨यह प्रोजेक्ट गत वर्षों के आपदा कोष की बचत राशि एवं दान-दाता, गायत्री परिजनों के सहयोग से चलाया जायेगा।

सहभागिता एवं सहयोग के इच्छुक महानुभाव जोनल केन्द्र पुष्कर से त्वरित सम्पर्क करें।

गायत्री परिवार की सेवाएँ, एक दृष्टि में

➔गायत्री परिवार बाड़मेर, जोधपुर, राजसमंद, भीनमाल, जालोर, अजमेर, सोजत से लगभग ८ लाख रुपये के आसपास सामग्री वितरण की गई।

➔दिनांक १ सितम्बर ०६ से १५ दिन तक बेस केम्प पर भोजनशाला चली, जिसमें ३००-४०० सरकारी-गैर सरकारी स्वयं सेवक प्रतिदिन के हिसाब से भोजन पाते रहे।

➔प्रात: १० से १२ बजे तक तथा १ से ४ बजे तक सिविल एवं मिलिट्री की मोबाइल मेडीकल टीम बेस केम्प में बैठकर चिकित्सा परिचर्या तथा दवाइयाँ वितरण का कार्य कर रही थीं। वहाँ गायत्री परिवार के कम्पाउण्डर हर समय उपलब्ध रहते थे। २५ हजार रुपये की दवाइयाँ गायत्री परिवार द्वारा जुटाई गई तथा अन्य मोबाइल टीमों के पास पर्याप्त दवाइयाँ थीं।

➔प्रशासन द्वारा मिनरल वॉटर की बोतलों के दो एलपी ट्रक बेस केम्प पर खाली किए गये, जिनका वितरण ढाणी-ढाणी जाकर किया गया तथा एक टेंकर द्वारा पानी टंकियों में खाली किया गया।

➔बेस केम्प की सुव्यवस्था एवं उचित वितरण व्यवस्था देखकर अन्य संस्थाएँ जीव सेवा समिति-अजमेर, करणी सेवा समिति-बीकानेर, बाढ़ सहायता समिति के सदस्य सामान सहित बेस केम्प में ही ठहरे तथा लगभग ४ लाख रुपये की सामग्री गायत्री परिवार के माध्यम से वितरण कराई।

➔टेण्ट, त्रिपाल लगाकर पुन: प्रारंभ किए गए विद्यालयों में ५०००/- रुपये की पाठ्यसामाग्री (स्लेट, पेंसिल, कॉपी, पेन, पुस्तक) आदि का वितरण किया गया।